the deaths. Most accidents and fatalities were caused by two wheelers, accounting for over 45,000 deaths.

Ironically, two-wheeler riders are most vulnerable, accounting for 44.5 per cent of the fatalities, followed by pedestrians at 19.55 per cent. According to data from MoRTH, the share of pedestrians has, however, more than doubled from 9 per cent in the last 6 years. The number of pedestrian deaths in India, in 2022, was more than the combined fatalities in EU and Japan.

I request the Government to immediately address this situation and take suitable remedial measures. Thank you.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI GHANSHYAM TIWARI): The following hon. Members associated themselves with the Special Mention made by the hon. Member, Shri Brij Lal: Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Dr. Sasmit Patra (Odisha) and Shri R. Girirajan (Tamil Nadu).

Now, Shri Raghav Chadha.

Demand for awarding Bharat Ratna to Shaheed-e-Azam Sardar Bhagat Singh ji

श्री राघव चड्ढा (पंजाब): महोदय, आपने मुझे स्पेशल मेंशन बोलने की अनुमति दी, इसके लिए आपको शुक्रिया। जो विषय मैं उठाने जा रहा हूँ, वह सिर्फ मेरे ही नहीं, बल्कि हर देशभक्त के दिल के करीब है।

'लिख रहा हूँ मैं जिसका अंजाम, कल आगाज़ आयेगा
मेरे लहू का हर एक कतरा इंकलाब लायेगा
मैं रहूँ ना रहूँ, ये वादा है तुझसे मेरा
मेरे बाद वतन पे मिटने वालों का सैलाब आयेगा।'

सर, क्रांतिकारी भगत सिंह का देश की आजादी में योगदान बहुत बड़ा है। उनके साहस की सरसराहट से अंग्रेजी जेल की दीवारें कांपती थीं। उनके हौसलों के आगे घमंड के ऊँचे-ऊँचे पहाड़ भी झुकते थे। वे भारत माता के लाल थे, ब्रिटिश हुकूमत की नजर में साक्षात काल थे। मगर उनकी शहादत के 93 साल बाद भी उन्हें 'भारत रत्न' नहीं मिला। आज मैं सरकार से माँग करता हूँ कि देश की आन-बान और शान भगत सिंह को 'भारत रत्न' दिया जाए। ऐसा होता है तो सचमुच भगत सिंह का नहीं, बल्कि 'भारत रत्न' का गौरव बढ़ेगा। वे भगत सिंह ही थे, जिनकी इंकलाबी बोलियों से अंग्रेजी हुकूमत की गोलियां थर-थर कांपती थीं। वे भगत सिंह ही थे, जिनके सीने में धधकती आग से लंदन का क्राउन भी धधक उठा। भगत सिंह ने इस देश को अपनी जवानी दी, अपनी ज़िंदगी दी।

अत: मैं सरकार से माँग करता हूँ कि जल्द-से-जल्द भगत सिंह को 'भारत रत्न' देने की घोषणा की जाए। यदि यह कार्य होता है, तो भारतवर्ष की आने वाली पीढ़ियाँ इस महान सदन को दुआएँ देंगी।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI GHANSHYAM TIWARI): The following hon. Members associated themselves with the Special Mention made by the hon. Member, Shri Raghav Chadha: Shri Anil Kumar Yadav Mandadi (Telangana), Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri R. Girirajan (Tamil Nadu), Shrimati Jebi Mather Hisham (Kerala), Dr. V. Sivadasan (Kerala), Shri A.A. Rahim (Kerala), Shri Sant Balbir Singh (Punjab) and Dr. Ashok Kumar Mittal (Punjab).

The House stands adjourned to meet at 11 a.m. on Thursday, the 5th December 2024.

The House then adjourned at nine minutes past six of the clock till eleven of the clock on Thursday, the 5th December 2024.